

प्रेषक,

आनन्द बर्द्धन
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई अनुभाग

देहरादून : दिनांक 14 सितम्बर, 2016

विषय:— वित्तीय वर्ष 2016-17 में राज्य सैक्टर के अन्तर्गत में मशीनरी तथा उपसकर मद में धनावंटन विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 2561/मु0अ0वि0/बजट/बी-1 सामान्य दिनांक 09 अगस्त, 2016 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सिंचाई विभाग के अन्तर्गत स्थापित सिंचाई खण्ड, नलकूप खण्ड एवं परियोजना खण्ड/अवस्थापना खण्डों के सर्वेक्षण उपकरणों के अन्तर्गत Theodolite/Total Station तथा GPS कार्यो हेतु वित्तीय वर्ष 2016-17 में रु० 10.00 लाख (रु० दस लाख मात्र) की धनराशि वित्तीय वर्ष 2016-17 में व्यय हेतु आपके निवर्तन पर निम्न प्रतिबन्धों के साथ रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:—

- (i) प्रश्नगत धनराशि का व्यय केवल उन्हीं कार्यो के लिए किया जायेगा जिनके लिए यह स्वीकृति की जा रही है धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे। जहां कही आवश्यक हो यथावश्यकता सक्षम अधिकारी/शासन की स्वीकृति व्यय से पूर्व प्राप्त कर ली जाय।
- (ii) धनराशि का आहरण व व्यय वास्तविक आवश्यकता के अनुसार किया जायेगा।
- (iii) धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृत अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
- (iv) उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- (v) स्वीकृत धनराशि का खण्डवार विभाजन/फॉट मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष द्वारा किया जायेगा, जिसका विवरण शासन को भी उपलब्ध कराया जायेगा। स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तराखण्ड राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
- (vi) कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (vii) त्रैमासिक रूप से कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं व्यय विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2017 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा।

(viii) धनराशि आहरण सी0सी0एल0 हेतु निर्धारित नियमान्तर्गत ही किया जायेगा।

2 इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्यय के अनुदान सं0-20 आयोजनागत मद के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4701-मध्यम सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय-052-मशीनरी तथा उपसकर-03-नवीन सम्पूर्ति-12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण/26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र के नामे डाला जायेगा।

3 यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सख्या 472/XXVII(2)/2016, दि0-07 सितम्बर, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आनन्द बर्द्धन)
सचिव।

संख्या-2060 (1) / 11-2016-04(20) / 2016तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेस सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
3. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल पौड़ी/कुंमायू मण्डल नैनीताल।
4. समस्त जिलाधिकारी।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. वित्त विभाग (वित्त अनुभाग-2), उत्तराखण्ड शासन।
8. बजट निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
9. निदेशक कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड़, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(चन्दन सिंह रावत)
अनु सचिव।